कपास में सफ़ेद मक्खी व अन्य नाशीजीव खतरे की सूचना एवं सलाह

पंजाब व हरियाणा के क्षेत्र में 31-07-2017 के दौरान किये गए सर्वेक्षण में यह पाया गया कि कपास में सफ़ेद मक्खी, हरे तेले एवं थ्रिप्स का प्रकोप बढ़ रहा है किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि :

1- कपास की फसल में प्रति एकड़ में 1 लीटर अजाडीरक्तिन 1500 पीपीएम 200 लीटर पानी के साथ 200 ग्राम डिटर्जेंट पावडर मिलाकर छिडकाव करें ।

2- यदि फसल में सफ़ेद मक्खी की संख्या औसतन 6-8 प्रति पत्ती एवं हरा तेला 1-2 प्रति पत्ती दिखाई पड़े तो डायाफेनथयुरोंन (50 % डब्ल्यू पी) 200 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी के साथ छिडकाव करें तथा ध्यान रखें कि छिडकाव से पूर्व खेत में पर्याप्त नमी मौजूद हो ।

3- यदि पहले एक बार डायाफेनथयुरोंन (50 % डब्ल्यू पी) का छिडकाव किया जा चुका हो और पुनः सफ़ेद मक्खी की संख्या औसतन 6-8 प्रति पत्ती एवं हरा तेला 1-2 प्रति पत्ती दिखाई पड़े तो फ्लोनिकमिद (50 डब्ल्यू जी) 80 ग्राम या बुप्रोफेज़िन (25 एस सी) 400 मिली या पायरीप्रोक्सीफेन (10 % ई सी) 400 मिली लीटर कीटनाशक प्रति एकड़ 200 लीटर पानी के साथ छिडकाव करें ।

4- खेत में थ्रिप्स की संख्या से चिंतित होने की जरुरत नहीं है उपरोक्त कीटनाशकों के प्रयोग से इसका प्रकोप भी नियंत्रित हो जाता है और कोई आर्थिक हानि नहीं होती है ।

5- कपास की फसल में फूल आने की अवस्था में के 2 प्रतिशत पोटैशियम नायट्रेट (13.0.45 NPK) के 3-4 छिडकाव एक-एक सप्ताह के अन्तराल पर करें ।

क्या न करें

1 नीम के साथ कोई अन्य रासायनिक कीटनाशक न मिलाएं

2 बिना शिफारिश के दो कीटनाशकों को एक साथ मिलाकर प्रयोग न करें

3 किसी भी एक कीटनाशक को एक फसल अवधि के दौरान बार-बार प्रयोग न करें